

---

.. shrI svAmi ayyappa stotram ..

॥ श्री स्वामि अय्यप्प स्तोत्रम् ॥

---

अरुणोदय सङ्काशं नीलकुण्डलधारिणीम् ।  
नीलांबरधरं देवं वन्देऽहं ब्रह्मनन्दनम् ॥ १ ॥  
चापबाणं वामहस्तेरौप्यवीत्रं च दक्षिणे ।  
विलसत्कुण्डलधरं वन्देऽहं विष्णुनन्दनम् ॥ २ ॥  
व्याघ्रारूढंरक्तनेत्रं स्वर्णमालाविभूषणम् ।  
वीरपट्टधरं घोरं वन्देऽहं शंभुनन्दनम् ॥ ३ ॥  
किङ्किण्योड्याण भूतेशं पूर्णचन्द्रनिभाननम् ।  
किरावरूपशास्तारं वन्देऽहं पाण्ड्यनन्दनम् ॥ ४ ॥  
भूतवेताल संसेव्यं काञ्चनाद्रिनिवासिनम् ।  
मणिकण्ठ मितिख्यातं वन्देऽहं शक्तिनन्दनम् ॥ ५ ॥

इति श्री स्वामि अय्यप्प स्तोत्रं सुम्पूर्णम् ।

Proofread PSA Easwaran

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)  
Last updated January 18, 2020  
<http://sanskritdocuments.org>